आइए... चतुर्थी के अर्थ के साथ जीते हैं...

दुनिया में जितनी भी समस्याएं हैं उनकी शुरुआत हमारे शरीर के दो अंगों से होती है। एक आँख, दूसरा कान। ये दो इनपुट डिवाइसेज़ हैं जिससे हमारे शरीर का हर एक अंग प्रभावित होता है। शारीरिक और मानसिक बीमारियां पनप जाती हैं।

शरीर के हर एक अंग का अपना महत्व है, और हर एक अंग का एक-दूसरे के साथ जुड़ाव भी है। समानता और असमानता के साथ अगर हर एक अंग काम न करे तो शरीर की यांत्रिकी रुक जायेगी। वैसे ही आप सब को भी पता है कि दुनिया का कोई भी वैज्ञानिक पहलू इस बात के साथ ताल्लुक नहीं रखता कि ऐसा भी कोई मानव होगा जिसका धड़ मनुष्य का और सिर किसी जानवर का हो। यह एक प्रतिकात्मक पहलू है जिसका हमारे जीवन के साथ बहुत गहरा कनेक्शन है। इस दुनिया में एक बात कही जाती है कि सुबह-सुबह अच्छे का मुँह देखकर निकलना चाहिए ताकि हमारा कार्य अच्छा हो। और जब थोड़ा भी बुरा हो तो हम कहते हैं कि पता नहीं सुबह किसका मुँह देख लिया। इस भाव को हम समझते हैं।

दुनिया में जितनी भी समस्याएं हैं उनकी शुरुआत हमारे शरीर के दो अंगों से होती है। एक आँख, दूसरा कान। ये दो इनपुट डिवाइसेज़ हैं जिससे हमारे शरीर का हर एक अंग प्रभावित होता है। शारीरिक और मानसिक बीमारियां पनप जाती हैं। तो क्या हम इन दोनों अंगों को और अंगों के साथ जोड़कर कुछ नया नहीं निकाल सकते! कहा जाता है कि जिस प्रकार पेट में ज़्यादा कुछ चला जाये जो हमारे पेट के लिए ज़रूरी नहीं है तो उसमें समस्या उत्पन्न हो जाती है। उसी प्रकार कहा जाता है कि पेट में समाने की ताकत होती है माना पचाने की ताकत होती है। लेकिन पचा भी वो वही पाता है जो उसके लायक हो। नहीं तो थोड़ा भी अगर पेट के मुआफिक नहीं होगा तो अपच हो जाएगी। इसलिए गणेश जी के पेट को सबसे बड़ा दिखाया जाता है। दुनिया की सारी ऐसी बातें जिससे किसी का मन खराब हो या मन दुःखी हो, उस बात को अगर हम पहले ही समा लें या अपने अंदर ही पचा लें तो वहां विघ्न आने से बच जायेगा। इसलिए सबकी बातों को पचा लो।

दूसरा, गणेश जी को दिखाते हैं कि उनका एक दांत बाहर निकला हुआ होता है अर्थात् वो एक दंत वाले हैं। लेकिन खाने के दांत अंदर होते हैं। बाहर का निकला हुआ दांत इस बात का प्रतीक है कि मैं आप सबके साथ हूँ लेकिन अंदर से डिटैच हूँ। इसलिए लोग कहते हैं कि हाथी के दांत दिखाने के कुछ और, और खाने के कुछ और।

गणेश जी के कान को बहुत बड़ा दिखाया जाता है। कहा जाता है कि अगर कोई किसी के खाने में ज़हर घोल दे तो वो बच सकता है लेकिन अगर कोई किसी के कान में ज़हर घोल दे तो वो बच नहीं सकता। इसीलिए हमेशा ऐसे संग से, ऐसी बातों से हमें बचना है जो हमारे जीवन में ज़हर घोल दें। आँखें हाथी की सबसे छोटी होती हैं और झुकी होती हैं, मतलब वो स्वयं को देखता है। और दूसरी एक बात कही जाती है कि हाथी हर किसी को उसकी ऊँचाई से डबल देखता है। ऐसे ही हम सभी को हर किसी को ऊँचा उठाना है। किसी के भी प्रति दुर्भावना रख उसको नीचे न गिराएं। हमेशा ऊँचा देखने से हमारे अंदर एक अच्छी भावना पैदा होती है। और हमेशा गणेश जी को विघ्न-विनाशक कहते हैं या सिद्धि-विनायक कहते हैं।

तो देखो हम निर्विघ्न या विघ्न-विनाशक कब बनेंगे जब श्रेष्ठ सुनेंगे, ऊँचा देखेंगे, सबकी बातों को पचा लेंगे, सबसे डिटैच रहेंगे तो ऐसे ही हमारे जीवन में विघ्न नहीं आयेंगे। हम हमेशा निर्विघ्न रहेंगे।

अतः सिद्धि-विनायक, विघ्न-विनाशक गणेश हम सबके एक मार्गदर्शक के रूप में हम सभी के अंतरमन में विराजमान हैं। बस जागृति से उसको जगाओ क्योंकि ऐसा बच्चा आज भी कोई स्वीकार नहीं कर सकता। सिर्फ तस्वीरों तक ही ये रूप सीमित है। इसलिए उसे अपने जीवन में अपनाने से पता चलेगा कि गणेश वास्तव में हमारे जीवन का एक अंग है और उस अंग को जीवन-संगिनी बनाकर चलें तो निरंतर हम विघ्नों से बचे रहेंगे। तो आओ, इस गणेश चतुर्थी पर हम सभी ये संकल्प लेते हैं और निर्विघ्न बनने की राह पर आगे बढ़ते हैं।

जयपुर-बनीपार्क(राज.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा सरकारी जनाना हॉस्पिटल में 'पॉज़िटिव थिंकिंग एंड जॉय एट वर्क प्लेस' विषय पर कार्यक्रम के पश्चात् हॉस्पिटल के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट श्रीमति कुसुमलता मीना को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. सुषमा दीदी। साथ हैं ब्र.कु. लक्ष्मी बहन, ब्र.कु. कुणाल भाई तथा अन्य।

झालावाड़-राज.। डॉक्टर्स डे पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए डॉ. पंकज गुप्ता। इस मौके पर डॉ. मंजू अग्रवाल,स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ. रश्मि,नशा मुक्ति विशेषज्ञ, डॉ. अशोक पाटीदार, डॉ. ललित शर्मा, डॉ. लक्ष्मीकांत, डॉ. धर्मराज, डॉ. अंजली, डॉ. राजेंद्र नागर, ब्र.कु. मीना दीदी सहित अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

बहल-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ एवं बहल युवा एकता संगठन के संयुक्त तत्वाधान में कस्बे में 'नशा मुक्त भारत अभियान' प्रोजेक्ट के अंतर्गत 'मेरा हरियाणा नशा मुक्त हरियाणा, मेरा बहल नशा मुक्त बहल' कार्यक्रम की लॉन्चिंग के अवसर पर पुलिस उप अधीक्षक मुकेश कुमार, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शकुन्तला दीदी, अलख कुटिया बहल के महन्त विकास गिरि महाराज, राष्ट्रीय कथा प्रवक्ता बाल योगिनी साध्वी मुक्तानंद सरस्वती, ढिगावा मंडी सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. पूनम बहन, बहल थाना प्रभारी सुमित श्योराण, पूर्व चेयरमैन सुशील केडिया, बहल युवा एकता संगठन के प्रधान व ब्लॉक डेवलपमेंट कौंसिल के सदस्य योगेश उर्फ योगी, प्रमुख समाज सेवी डॉ. एन.पी. गौड़, बैकुंठ धाम सेवा समिति के संरक्षक राजेन्द्र प्रसाद शर्मा, पूर्व प्राचार्या बिमला श्योराण सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर कस्बे के मुख्य मार्गों से नशा मुक्ति के नारे लगाते हुए, हाथों में स्लोगन की तख्तियां लिए नशा मुक्ति रैली निकाली गई।

जालोर-राज.। विश्व पर्यावरण दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ एवं श्री आदिनाथ फतेह ग्लोबल आई हॉस्पिटल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम में डीएफओ देवेंद्र सिंह भाटी, डॉ. पी.सी. पुंसल, इंजीनियर बी.एल. सुथार, ब्र.कु. रंजू दीदी, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अमित मोहन, ब्र.कु. ललित सिंह गुर्जर, डॉ. मंजू तथा अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

दिल्ली-चांदनी चौक। उत्तर गांव जगदीशपुर,चांदनी चौक में समर्पित ब्र.कु. संगीता दीदी सहित पाँच बहनों के समर्पण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें चांदनी चौक सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्र.कु. बिमला दीदी और कानपुर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. गिरिजा दीदी ने ब्र.कु. संगीता दीदी, ब्र.कु. अमिता बहन, ब्र.कु. सुजाता बहन, ब्र.कु. रीमा बहन, ब्र.कु. निधि बहन सहित सभी को सम्मानित किया।

मुंगरा बादशाहपुर-उ.प्र.। सम्मान समारोह में नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं सभासदों को सम्मानित कर ईश्वरीय सौगात भेंट करने के पश्चात् समूह चित्र में उनके साथ हैं ब्र.कु. अनीता बहन।